भारतीय समाज में जेंडर और विकास

GENDER AND DEVELOPMENT IN INDIAN SOCIETY

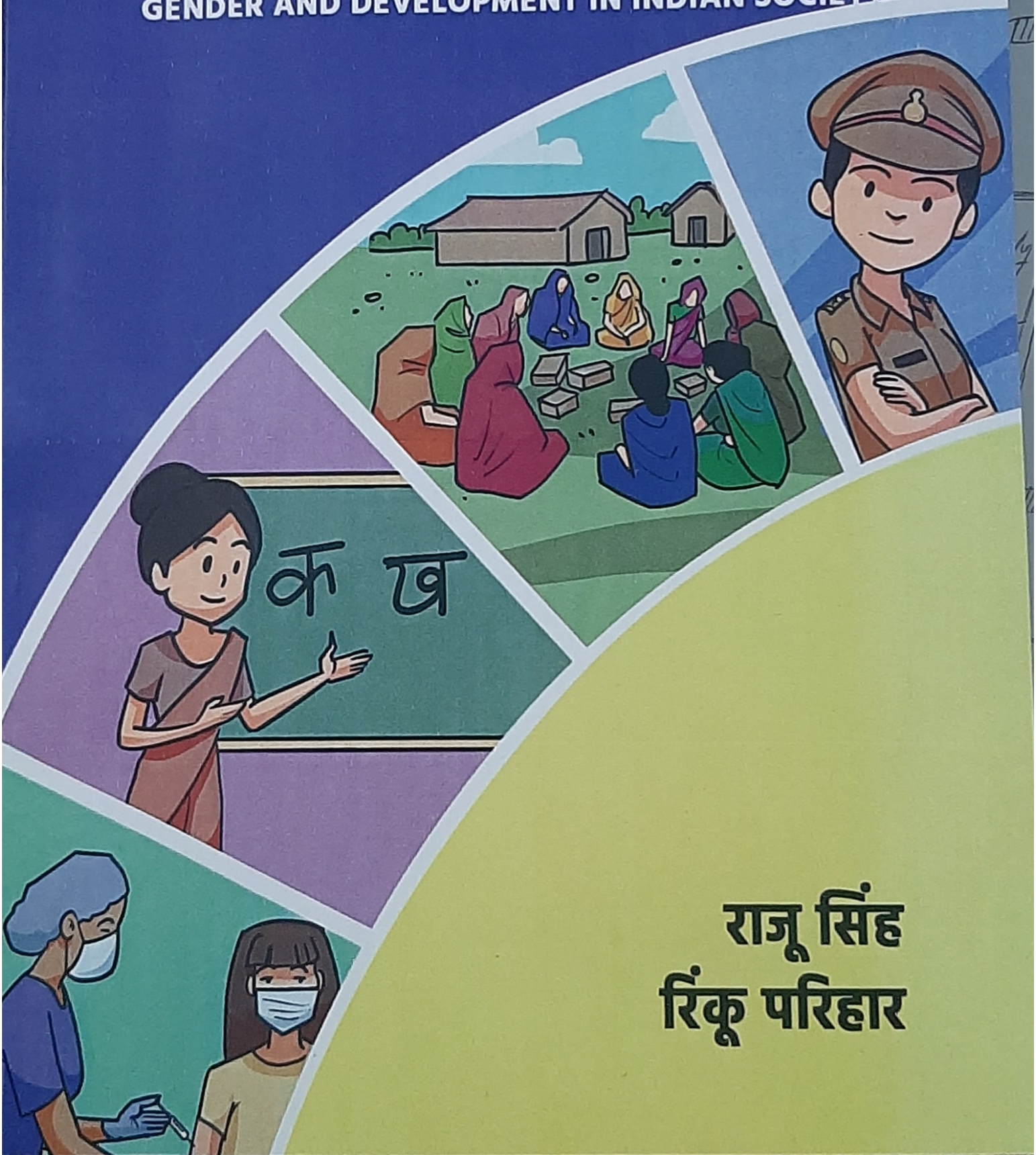

राजू सिंह
रिंकू परिहार

प्रथम संस्करण 2022

ISBN- 978-93-93997-14-2

©सर्वाधिकार लेखकगण

इस पुस्तक अथवा इस पुस्तक के किसी अंश को इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनिकल, फोटो रिकार्डिंग या अन्य सूचना संग्रह साधनों एवं माध्यमों द्वारा मुद्रित अथवा प्रकाशित करने के पूर्व लेखक की लिखित अनुमति अनिवार्य है।

रचना - भारतीय समाज में जेंडर और विकास

Gender and Development in Indian Society

(Bhartiy Samaj mein Gender aur Vikas)

संपादक - राजू सिंह, रिंकू परिहार

(Raju Singh, Rinku Parihar)

प्रकाशक एवं मुद्रक

BEILLUSTRATED

www.beillustrated.com

503B, Manish Enclave, New RTO,

Udaipur, 313001

अनुक्रम

1. जेंडर और विकास की सामाजिक अवधारणा (डॉ. संगीता अठवाल) 5
2. भारतीय समाज में जेंडर सम्बन्धित असमानता (डॉ. दीपिका राय) 15
3. जेंडर असमानता और महिला श्रम (माया सेन) 23
4. कृषि विकास में महिलाओं का योगदान (डॉ. उर्मिला मीना, डॉ. सांवल सिंह मीना, डॉ. सुमित्रा मीना) 27
5. जेंडर और विकास स्वयं सहायता समूहों (एसएसजी) की भूमिका (शिल्पा नागौरी) ..37
6. ग्रामीण महिला सशक्तिकरण में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका (अभिलाषा शर्मा)47
7. भारत में 'जेंडर बजटिंग' एवं महिला विकास (रिंकू परिहार, डॉ. बालूदान बारहठ)..55
8. शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक विकास में लैंगिक असमानता (डॉ. मन्जु बोहरा) ..63
9. भारत में महिलाओं के खिलाफ हिंसा (अल्का रानी शर्मा) 73
10. महिला शिक्षा: राजस्थान के संदर्भ में (डॉ. इंद्रा जैन, मंजुला, नयन कंवर चौहान)..83
11. वायु प्रदूषण का महिलाओं के स्वास्थ्य पर प्रभाव (अर्चना) 89
12. महिला और स्वास्थ्य (डा. चन्द्रेखा शर्मा) 95
13. जेंडर विकास में गैर सरकारी संगठनो की भूमिका (डॉ.महावीर कुमार जैन) 101
14. महिलाओं की समस्याएँ और आधुनिक समाज (डॉ विनीता राजपुरोहित) 115
15. विभिन्न युगों में नारी की स्थिति (डॉ. इन्द्र सिंह राठौड़) 123
16. महिला सशक्तिकरण एवं वर्तमान कल्याणकारी योजनाएँ (डॉ. इंद्रा जैन, डॉ. प्रकाश चन्द्र विक्रम सिंह सोलंकी) 133
17. नारीवादी आन्दोलन में साइमोन दी बुआ का योगदान (डॉ. राजू सिंह) 151
18. जेंण्डर व विकास में मीडिया की भूमिका (डॉ. विद्या मेनारिया) 157
19. राजनीतिक क्षेत्र में महिलाएँ (सुमन पूनीया)..... 165
20. कॉरपोरेट जगत में महिलाओं का योगदान (डॉ. श्रुति टण्डन) 171
21. नारीवाद और उतर आधुनिकता (गणेश चन्द्र अरोड़ा) 179

जेंडर और विकास की सामाजिक अवधारणा

डॉ. संगीता अठवाल

समाज की संरचना, संगठन और व्यवस्था में लिंग की समानता और असमानता का शेष महत्व है। लिंग की असमानता पर समाज के संरचनात्मक, संस्थागत और ठनात्मक ढांचे का प्रभाव पड़ता है। लिंग की असमानता भी समाज के संतुलन, वस्था और विकास को प्रभावित करती है। समाजशास्त्र में लिंग भेद "सेक्स" शब्द का ोग अन्न ओकले ने 1972 में अपनी कृति 'सेक्स जेंडर एंड सोसाइटी ' में किया था। पके अनुसार यौन भेद (सेक्स) का अर्थ स्त्री और पुरुष का जैविकीय विभाजन है और ग भेद से आप का तात्पर्य स्त्रीत्व तथा पुरुषत्व के रूप में समानांतर एवं सामाजिक रूप असमान विभाजन से है।

लैंगिक विषमता का अर्थ "लिंग के आधार पर महिलाओं पर किसी भी प्रकार का भाव, बहिष्कार या बंधन लगाने से है जिसका प्रभाव व उद्देश्य चाहे उसका वैवाहिक र जैसा भी हो, स्त्री-पुरुष को समानता के आधार पर प्राप्त अधिकारों को कमजोर करना निष्प्रभावी बनाना हो और महिलाओं को उनके मानवाधिकारों और राजनीतिक, र्थिक , सामाजिक, सांस्कृतिक, नागरिक या किसी अन्य क्षेत्र में मौलिक स्वतंत्रताओं उपभोग या इस्तेमाल से वंचित करना हो।"

लिंग भेद सभी समाजों में और सभी कालों में तथा सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में द्यमान रहा है। कुछ विद्वान स्त्री तथा पुरुष के बीच पाए जाने वाले व्यवहार विभेद जो कि सी ना किसी रूप में सभी संस्कृतियों में पाए जाते हैं जीव विज्ञान के कारण मानते हैं। तथा पुरुष के बीच पाए जाने वाले श्रम विभाजन को कुछ लोग उन में पाए जाने वाले भेद के कारण मानते हैं।

विकास परिवर्तन की एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें विभेदीकरण की वृद्धि होती है तथा यह व ऊपर की ओर होता है। विकास का संबंध सामाजिक मूल्यों से नहीं है यह अच्छाई र बुराई दोनों ही और हो सकता है।

हॉबहाउस ने सामाजिक विकास के चार मापदंडों की व्याख्या की है। वह कहते हैं कि सी भी समुदाय को तब विकसित कहा जाना चाहिए जब उसकी मात्रा, कार्य क्षमता तंत्रता और सेवा की पारस्परिकता में वृद्धि होती है। सामाजिक विकास समाज क कासोन्मुख परिवर्तन है जिसमें निश्चित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए नियंत्रित एवं जागरूक ल किए जाते हैं। आधुनिक समय में विकास शब्द का प्रयोग अधिकांशतः आर्थिक र्थों में किया गया है। प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि, श्रम विभाजन एवं विशेषीकरण में वृद्धि